

महागौरीति आष्टमम्

ओम ऐं ह्रीं क्लीं

महागौर्यें नमः



महागौरी का अर्थ है - वह रूप जो कि सौन्दर्य से भरपूर है, प्रकाशमान है - पूर्ण रूप से सौंदर्य में डूबा हुआ है। प्रकृति के दो छोर हैं - एक माँ कालरात्रि जो अति भयावह, प्रलय के समान हैं, और दूसरा माँ महागौरी जो अति सौन्दर्यवान, देदीप्यमान, शांत हैं - पूर्णतः करुणामयी, सबको आशीर्वाद देती हुई। यह वह रूप है, जो सब मनोकामनाओं को पूरा करता है। यह भौतिक नहीं, बल्कि लोक से परे आलौकिक रूप है, सूक्ष्म से भी सूक्ष्म रूप। इसकी अनुभूति के लिए पहला कदम ध्यान में बैठना है। ध्यान में आप ब्रह्मांड को अनुभव करते हैं। इसलिए बुद्ध ने कहा है, आप बस देवियों के विषय में बात ही करते हैं। जरा बैठिए और ध्यान करिए। ईश्वर के विषय में न सोचिए। शून्यता में जाइए, अपने भीतर। एक बार आप वहां पहुँच गए, तो अगला कदम वह है जहाँ आपको विभिन्न मंत्र, विभिन्न शक्तियाँ दिखाई देंगी, वह सभी जागृत होंगी। बौद्ध मत में भी, वे इन सभी देवियों का पूजन करते हैं। इसलिए, यदि आप ध्यान कर रहे हैं, तो सभी यज्ञ, सभी पूजन अधिक प्रभावी हो जाएँगे। नहीं तो उनका इतना प्रभाव नहीं होगा। यह ऐसा है ही है, जैसे कि आप नल तो खोलते हैं, परन्तु गिलास कहीं और रखते हैं, नल के नीचे नहीं। पानी तो आता है, पर आपका गिलास खाली ही रह जाता है। या फिर आप अपने गिलास को उलटा पकड़े रहते हैं। 10 मिनट के बाद भी आप इसे हटाएँगे, तो इसमें पानी नहीं होगा क्योंकि आपने इसे ठीक प्रकार से नहीं पकड़ा है। सभी पूजाएँ ध्यान के साथ शुरू होती हैं, और हजारों वर्षों से इसी परम्परा का अनुसरण किया जा रहा है। ऐसा पवित्र आत्मा के सभी विविध तत्वों को जागृत करने के लिए, उनका आह्वान करने के लिए किया जाता है। हमारे भीतर एक आत्मा है। उस आत्मा की कई विविधताएँ हैं, जिनके कई नाम, कई सूक्ष्म रूप हैं और नवरात्रि इन्हीं सब से जुड़ी है। इन सभी तत्वों का इस धरती पर आह्वान, जागरण और पूजन करना ही नवरात्रि पर्व का ध्येय है।

राजनाथ का कांग्रेस पर तीखा हमला, कहा- बांग्लादेश की तर्ज पर सत्ता परिवर्तन के लिए हिंसा चाहती है पार्टी मारीच-कालनेमि की साजिश सफल नहीं होगी : योगी



रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एसआईआर और मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ चल रहे कांग्रेस के प्रदर्शन पर तीखा हमला किया और उसे बांग्लादेश में हुई हिंसा से जोड़ा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एसआईआर और मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ विरोध प्रदर्शन पर कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। राजनाथ ने कहा कि विपक्ष का

आंदोलन चुनाव सुधारों के लिए नहीं, बल्कि सत्ता परिवर्तन के लिए बांग्लादेश की तर्ज पर देश में हिंसा और अराजकता फैलाना है। राजनाथ ने लखनऊ में प्रदेश मुख्यालय में कहा कि कांग्रेस और विपक्षी दल लोकतांत्रिक संस्थाओं को बदनाम करने और जनादेश का अपमान करने में जुटे हैं। उन्होंने कांग्रेस पर चुनाव आयोग के सियासी इस्तेमाल का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने अब गांधी नाम प्रयोग

लड़ाई चुनाव आयोग, एसआईआर, ज्ञानेश कुमार या युवाओं के भविष्य की नहीं, सत्ता हासिल करने की है।सीएम योगी ने कहा कि बांग्लादेश की तर्ज पर सत्ता परिवर्तन का सपना देखने वाले लोग युवाओं के हाथों में राष्ट्र निर्माण की मशाल की जगह अराजकता के औजार थमाना चाहते हैं। लोकतंत्र में सत्ता जनमत से मिलती है, अराजकता से नहीं। जनता ऐसे राजनीतिक मारीच और कालनेमि को सत्ता से दूर रख चुकी है। अब ये देश को आग में झोंकना चाहते हैं, पर इनकी साजिश सफल नहीं होगी। सत्ता के लिए विपक्ष का एजेंडा पूरी तरह बेनकाब - नवीन, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा, विपक्ष की लड़ाई चुनाव सुधार को लेकर नहीं है, बल्कि उसका एजेंडा किसी भी कीमत पर अराजकता फैलाकर सत्ता कब्जा करना है। सत्ता परिवर्तन के लिए विदेशी ताकतों की सांठगांठ से देश को अस्थिर करने का विपक्ष का एजेंडा बेनकाब हो गया है।

कानूनी पेशा कमजोर दिल वालों के लिए नहीं: लॉ के छात्रों से सीजेआई सूर्यकांत बोले- समाज के लिए भी काम करें

भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने बेंगलुरु में नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी के 34वें दीक्षांत समारोह में कानून के स्नातकों को न्याय और संवैधानिक मूल्यों के प्रति समर्पित रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि एक अच्छे कानूनी पेशेवर के लिए कानूनों की जानकारी के साथ साहस, ईमानदारी और संवेदनशीलता भी जरूरी है।भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने शनिवार को कानून की पढ़ाई पूरी करने वाले छात्रों से न्याय कायम रखने, स्वतंत्रता की रक्षा करने और संवैधानिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि कानूनी पेशे में साहस, ईमानदारी और उन लोगों की बात सुनने की क्षमता जरूरी है, जिनकी आवाज अक्सर अनसुनी रह जाती है। सीजेआई बंगलूरू में नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी (एनएलएसआईयू) के 34वें वार्षिक दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, कानूनी शिक्षा केवल अकादमिक ज्ञान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। इसका उद्देश्य छात्रों को अलग-अलग विचारों और नजरियों को समझने तथा समाज की सेवा करने के लिए तैयार करना भी है। सूर्यकांत ने छात्रों से कहा, मैं आपको केवल बधाई



ही नहीं दे रहा हूं, बल्कि आपसे मुझे बहुत उम्मीदें भी हैं। उन्होंने कहा, कानूनी शिक्षा का उद्देश्य आपराधिक या संवैधानिक कानून के सिद्धांतों को सीखने तक सीमित नहीं है। इसका असली महत्व उन लोगों से मिलने और उनके नजरिये को समझने के अनुभव में है, जो दुनिया को हमसे अलग तरह से देखते हैं। न्याय के लिए साहस और संवेदनशीलता जरूरी- कानूनी पेशे की जिम्मेदारियों पर जोर देते हुए मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि इसके लिए कानूनों और अदालती फैसलों की जानकारी होना ही पर्याप्त नहीं है। न्याय के पक्ष में खड़े होने का साहस और उन लोगों की चिंताओं को समझने की विनम्रता भी जरूरी है, जिनकी बातों पर अक्सर ध्यान नहीं दिया जाता। उन्होंने कहा, कानूनी पेशा

कमजोर दिल वालों के लिए नहीं है। इसमें कानूनों और अदालती फैसलों की जानकारी के साथ न्याय की रक्षा करने का साहस और उन आवाजों को सुनने की विनम्रता भी चाहिए, जिन्हें अक्सर अनसुना कर दिया जाता है। सिद्धांतों से समझौता न करने की सलाह- सीजेआई ने कानून के नए स्नातकों को आगाह किया कि वे सुविधा के लिए अपने सिद्धांतों से समझौता न करें और पेशेवर जीवन में शॉर्टकट अपनाने से बचें। उन्होंने छात्रों से संस्थान में सीखे गए मूल्यों को अपने कामकाज का मार्गदर्शक बनाने की अपील की। सूर्यकांत ने कहा कि कानूनी पेशे के जरिए समाज की सेवा करने से गहरी संतुष्टि मिल सकती है। वकील अन्याय को दूर करने, व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा करने और संविधान के मूल्यों को

बनाए रखने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।मुख्य न्यायाधीश ने छात्रों से देश के प्रति अपनी व्यापक जिम्मेदारी को पहचानने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र उनसे केवल कानून के पेशेवर के रूप में काम करने की उम्मीद नहीं करता, बल्कि समाज के लिए भी योगदान की अपेक्षा रखता है। उन्होंने कहा, जब आप दुनिया में कदम रखें, तो यह जान लें कि देश आपको केवल कानून के पेशेवर के रूप में नहीं, बल्कि आशा के संदेशवाहक के रूप में भी देखता है।

अखिलेश के भाजपा से 12 सवाल, बोले- बैंक मजबूत हुए तो फिर बेचे क्यों जा रहे, जनता का पैसा कहाँ जा रहा?

अखिलेश यादव ने बैंकिंग व्यवस्था को लेकर भाजपा से बारह सवाल पूछे। उन्होंने बैंक शाखाओं और एटीएम बंद होने, खातों से कटौती, साइबर ठगी, महंगे कर्ज और बैंक कर्मचारियों की कमी पर सवाल उठाए। उन्होंने ग्रामीण बैंकिंग सुविधाओं, किसानों को ऋण और बुजुर्गों की डिजिटल सुरक्षा के मुद्दे भी उठाए।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर भाजपा पर तंज कसा है। उन्होंने 'बारह साल, बारह सवाल' शीर्षक से बैंकिंग व्यवस्था को लेकर 12 सवाल उठाए। अखिलेश ने बैंकों की मजबूती के दावों के बीच बैंक शाखाओं और एटीएम बंद होने, ग्राहकों के खातों से कटौती, साइबर ठगी और कर्ज से जुड़ी समस्याओं पर सवाल किए। अखिलेश यादव ने पूछा कि अगर बैंक मजबूत हुए हैं तो उन्हें बेचा क्यों जा रहा है और गरीब जनता के खातों से पैसे क्यों काटे जा रहे हैं? उन्होंने केवाईसी के नाम पर ग्राहकों को परेशान किए जाने और बैंकों



से भारी कर्ज लेकर विदेश भागने वालों को वापस लाकर सजा दिलाने में हो रही देरी पर भी सवाल उठाए।ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सुविधाओं का मुद्दा उठाया ग्रामीण इलाकों में बैंक शाखाएं और एटीएम बंद किए जाने पर सवाल करते हुए कहा कि इससे लोगों को नकदी के लिए भटकना पड़ता है। उन्होंने किसानों, छात्रों और छोटे दुकानदारों को बिना बिचौलिये और गारंटर के कर्ज मिलने में आने वाली मुश्किलों का मुद्दा भी उठाया। साइबर ठगी और महंगे लोन पर सवाल- अखिलेश यादव ने साइबर ठगी का शिकार हुए लोगों को पैसा वापस मिलने में देरी और बैंक व थानों के चक्कर लगाने की

परेशानी का जिक्र किया। उन्होंने होम लोन और शिक्षा ऋण पर ब्याज दरों को लेकर भी सवाल उठाए। दिनों तक अटके रहने और सिविल स्कोर में छोटी चूक के कारण युवाओं को कर्ज लेने में होने वाली दिक्कतों पर सवाल किया।बुजुर्गों की मदद और बैंक कर्मचारियों की भर्ती का मुद्दा- अखिलेश ने पूछा कि बुजुर्गों और कम पढ़े-लिखे लोगों को यूपीआई और ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाने के लिए हर बैंक शाखा में सहायता काउंटर क्यों नहीं हैं। उन्होंने बैंक कर्मचारियों की मांगें पूरी न होने, नई भर्तियां नहीं होने और मौजूदा कर्मचारियों पर बढ़ते काम के दबाव का मुद्दा भी उठाया।

मायावती बोलीं- 2007 में भी पार्टी को कम करके आंका गया था, बीएसपी के खिलाफ फेक सर्वे का प्रचार हो रहा

मायावती ने आरोप लगाया कि आगामी विधानसभा चुनावों से पहले बीएसपी के खिलाफ भ्रामक सर्वेक्षणों का प्रचार किया जा रहा है। उन्होंने 2007 के चुनाव का उदाहरण देते हुए कार्यकर्ताओं से दुष्प्रचार से सावधान रहने और जमीनी तैयारी तेज करने की अपील की। पार्टी उत्तर प्रदेश में पांचवीं बार सरकार बनाने का लक्ष्य लेकर चल रही है। बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर मीडिया और



सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहे सर्वेक्षणों पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जातिवादी मीडिया और सोशल मीडिया के जरिए धनबल का दुरुपयोग कर पार्टी के खिलाफ फर्जी और ध्यान भटकाने वाले सर्वे का प्रचार किया जा रहा

है। मायावती ने कहा कि उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी अच्छे और दमदार उम्मीदवारों के चयन के साथ जमीनी तैयारियों में जुटी है। इसी बीच बीएसपी को निशाना बनाकर कथित तौर पर भ्रामक सर्वेक्षणों का प्रचार किया जा रहा है, जो दुःखद और दुर्भाग्यपूर्ण है।मायावती ने आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान बीएसपी के खिलाफ मिथ्या प्रचार किया जाता रहा है और प्रायोजित सर्वेक्षणों में पार्टी की स्थिति को कम करके आंका जाता है। उन्होंने वर्ष 2007 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव का उदाहरण देते हुए कहा कि उस समय भी पार्टी को लेकर ऐसे ही कयास लगाए जा रहे थे, लेकिन बीएसपी ने पूर्ण बहुमत से सरकार बनाई थी। उन्होंने कहा कि उस सरकार के दौरान कानून का राज स्थापित करने और 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' की भावना के अनुरूप काम करने पर जोर दिया गया था। पार्टी और भाजपा की सरकारों से असंतुष्ट लोगों, खासकर बहुजन समाज के लोगों से विरोधी दलों और अन्य तत्वों के कथित दुष्प्रचार से सावधान रहने की अपील की। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों से चुनावी तैयारियों में पूरी ताकत से जुटने का आह्वान किया।

अखिलेश यादव और इडिया गठबंधन पर हमला, डिप्टी सीएम बोले-चुनाव हारने के बाद ही सवाल उठाते हैं

मुरादाबाद जिला अस्पताल का निरीक्षण करने पहुंचे मंत्री ने स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति का जायजा लिया और मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया। इस दौरान बुजेश पाठक ने कहा कि सरकार का उद्देश्य प्रत्येक मरीज को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। मुरादाबाद में डिप्टी सीएम बुजेश पाठक ने जिला अस्पताल का निरीक्षण किया। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं की वर्तमान स्थिति का जायजा लिया। मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। इस दौरान मंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य प्रत्येक मरीज को



करके स्वास्थ्य सेवाओं की वास्तविक स्थिति जानने का प्रयास कर रहे हैं।निरीक्षण के बाद मंत्री ने मीडिया से बातचीत की। उन्होंने एसएसआर को लेकर अखिलेश यादव और इंडिया गठबंधन के सवालों पर प्रतिक्रिया दी। मंत्री ने विपक्ष पर चुनाव हारने के बाद ही निर्वाचन प्रक्रिया पर सवाल उठाने का आरोप लगाया। उन्होंने समाजवादी पार्टी की पिछली सरकारों, कानून-व्यवस्था और कथित माफियाराज पर भी अपनी बात रखी। दिल्ली में हो रहे प्रदर्शनों और देश की आर्थिक प्रगति को लेकर भी उन्होंने टिप्पणी की।

संपादकीय

Editorial

Inflation soars beyond limits

Retail inflation has broken a 23-month record. The Indian government's own Ministry of Statistics released data showing that the retail inflation rate in September 2026 was 5.54 percent. This is the highest level since October 2024, when the inflation rate was 6.2 percent. The Reserve Bank of India estimates that inflation will continue to rise in the coming months. The average inflation rate for October-December could reach 6 percent or even higher. While the central bank has set the inflation limit at 4 percent, most assessments and analyses consider 6 percent as "normal." This "lakshman rekha" has been crossed for the fourth consecutive month, as food inflation and inflation in urban and rural areas are different and higher. Food inflation rose to 7.74 percent in September. Retail inflation in rural areas increased from 5.24 percent to 6.08 percent. Food inflation has been recorded at 8.06 percent in rural areas and 7.18 percent in urban areas. These figures are all above the Reserve Bank's set limits, making it clear that inflation is steadily rising. Data from non-governmental and professional organizations, institutions, and agencies are different and relatively higher. The common person doesn't understand the economics of these percentage inflation figures. For them, inflation begins when everyday vegetables like potatoes, onions, tomatoes, garlic, lemons, ginger, and green chilies become more expensive. The government has no control over this market and prices, as vegetable market traders collude to set prices, which is where the retail market also becomes more expensive. Small businesses and street vendors in the neighborhoods also raise prices proportionately. The argument is that prices have risen from the "top." What can we do? If onions are selling for nearly 108% more, garlic for 55% more, and potatoes for 750 per kg, the economics behind these decisions is largely unknown to the common man. There are numerous institutions, authorities, and associations under the government that can provide immediate relief to the consumer by supplying these vegetables and keeping inflation within set limits. They do take action in times of price rise, but it's often a mere drop in the ocean. This country is vast, and diverse, making it extremely difficult to address such crises. Then why is the government elected? The functioning and proper functioning of these institutions are also questionable. As a result, inflation has become a perennial, perpetual, and permanent problem for us. However, inflation isn't limited to vegetables and food items. The current retail inflation rate has made restaurants and hotels costlier by 9.36 percent, transportation by over 5 percent, education services and clothing and footwear by nearly 4 percent, and household appliances by 3.26 percent. Clearly, the budget of the average household and family is being disrupted and disrupted. Where will the average worker, daily wage laborer, agricultural laborer, rickshaw puller, porter—the poorest segment of the country—find the additional budget needed to fight inflation? There's no way out, no solution...! The government and ministers are busy spouting promises that India will soon become the world's third-largest economy. Official spokespersons compare inflation to the 12-14 percent during the Congress-led UPA government. The reality is that inflation is rising, making it unbearable for the common man. After three and a half years, the Reserve Bank finally had to raise the repo rate by 0.25 percent. Now, the interest rate has reached 5.50 percent. As a result, the monthly installments for home loans, vehicle loans, education loans, mobile loans, etc. will increase for the average consumer. How will this inflation burden be borne? It's possible that the demand for loans in the market.

People helpless in the face of violent protests

Many protests and demonstrations are held nationwide in response to the call for a "Bharat Bandh," but now slogans like "Your shops are closed, our shops are open" are being raised. Democratic movements have become violent and chaotic. Public property and life are being severely damaged. Violent protests leave the public helpless and distressed. Our country gained independence through protests, and therefore, a tradition of such protests has developed. This is even more so because the Constitution guarantees the right to peaceful protests. This right is a strength of democracy. Ironically, as the tradition of protests has evolved, it has also become distorted. Consequently, the country has witnessed numerous anarchic movements. This anarchy has often resulted in significant loss of life and property. Police personnel have also lost their lives as a result of protests turning violent. Countless times, public property, as well as vehicles belonging to ordinary people, have been burned during protests. Hardly anyone can estimate how many train carriages have been set ablaze, buses, and cars damaged or burned due to violent protests. No one can even count how many millions of people are inconvenienced by road blockades, which block vehicles and trains, or by squatting on roads. Ordinary people going about their business are irritated by these protests, but their voices were not heard before, and they are not heard now. No one listens to or understands their pain. Those troubled by the protests may curse anyone, but ultimately, they only receive resentment and frustration. A few hundred protesters on the streets can cause distress to thousands or even millions of people with their violent and chaotic behavior. Recall the Shaheen Bagh protest against the CAA and the anti-agricultural law protests. Many protests and demonstrations are held nationwide in response to the call for a "Bharat Bandh," but now slogans like "Your shops are closed, our shops are open" have also started to emerge. This means that anyone who dares to open a shop during a nationwide, state, or district shutdown could face vandalism. Many such protests occur in which protesters either raise slogans at a single location or march to an official's office and submit a memorandum. They generally do not proceed beyond police barricades, but now it has become common to hold protests without permission and to break through or cross police barricades to proceed. When this happens, the police resort to lathi charge. Sometimes the crowd disperses, but sometimes it is beaten, and so is the police. On such occasions, if the crowd becomes violent, it has even resorted to firing. Now, the police have to deal not only with protesters resorting to anarchy, but also with onlookers, professional activists, YouTubers, reelers, and rumor mongers. Protests are essential for democracy because they vent the anger of an angry or oppressed group. Someone rightly said that protests are like pressure cookers. People can protest for logical and just demands as well as illogical ones. They do. This cannot be stopped. There is no restriction on making false claims during protests, rallies, or demonstrations. Remember, when the issue of bribery in the Bofors gun deal was hot, VP Singh pulled a slip from his pocket and said that it contained the names of the brokers. He would reveal them when the time came. During the anti-CAA protests, propaganda was spread that this would strip Muslims of their citizenship. During the anti-agricultural law protests, so-called farmer leaders claimed that the government would seize farmers' land and give it to Ambani and Adani. To bolster his allegations of bribery in the Rafale deal, Rahul Gandhi claimed that Modi himself had put money in the pockets of the bribe-takers. While protesters often have a logical issue, they prefer to resort to anarchic methods of protest because they believe this will inflict more hardship on the people and put pressure on the government and administration. Now, efforts are being made to pressure the judiciary as well. Recently, Rahul Gandhi expressed his desire to meet the Chief Justice of the Supreme Court regarding a case currently being heard. When told that this was impossible, he marched to the Supreme Court with opposition leaders and chose a new method of filing a petition, bypassing the police. Overall, the methods of protests are rapidly changing. In this process, protesters are causing even more problems for the police and the administration, as any group can create a street disturbance anywhere, at any time, under the guise of a protest. No one knows when a protocol for protests will be established, as the Supreme Court recently stated. If the nature of protests continues to change and become distorted in this way, it is unknown how strong democracy will become, but there is no doubt that the public will feel even more helpless and defenseless in the face of them, and no one will listen to them.

Playing with India's future

Those determined to disrupt the country's development by spreading confusion and chaos are becoming increasingly active. Rahul Gandhi's Appeal to Western Countries for Intervention - Elon Musk's Frustration with the Modi Government Over Starlink License - An Emerging "Toxic Alliance" to Create Instability in India It appears that Congress leader Rahul Gandhi's appeal to Western countries and global institutions to interfere in India's internal affairs and destabilize the democratically elected Modi government is now bearing fruit. Failing to defeat the BJP in successive elections, Rahul Gandhi has repeatedly lamented on international platforms that Western countries are not helping to "restore democracy" in India. While this shameful appeal to international powers to interfere in India's internal affairs received little attention at the time, it now appears that the nexus between Western countries and forces operating within India itself is growing stronger. It is a strange coincidence that, at a time when the Congress party launched a massive campaign to destabilize the Modi government by promoting anarchy in the country, the Office of the United Nations High Commissioner for Human Rights has begun admonishing India on democratic values and traditions. The Indian Foreign Ministry, in its blunt response, rightly urged it to mind its own business. Furthermore, India also held the agency accountable for its apparent blindness to the oppression of its neighbors, Pakistan and Bangladesh. Where did this UN agency find the audacity to admonish the world's largest democracy? People like Rahul Gandhi are responsible for this. Rahul Gandhi's irresponsible actions know no bounds. In this context, he appeared to be in solidarity with the anti-India sentiments of the world's richest man, Elon Musk. When Musk, upset over the denial of a license to his satellite internet service provider, Starlink, in India, began expressing his frustration on his internet media platform X, Rahul joined him. The reality of this matter is that Musk's company has not yet met regulatory standards in India, but he began venting his frustration on Indian entrepreneurs and the government. In this, Rahul Gandhi appeared to be provoking him. Previously, when Donald Trump had described the Indian economy as a dead economy, Rahul Gandhi was quick to agree with him. The reality is that the International Monetary Fund recently raised its growth forecast for the Indian economy, even as the global economy grapples with instability and slowdown. Musk's intention to threaten India cannot be taken lightly. Musk incited the US to oust the elected President of Bolivia from power because the Bolivian President was not in favor of giving Musk his lithium reserves at throwaway prices and granting him a license. When a user on Instagram accused Musk of plotting this coup, he arrogantly replied, "We will overthrow whoever we want, let them do whatever they want." Musk's brazen admission of a coup indicates that his frustration with the Modi government over the Starlink licensing dispute and the instability being created by Rahul Gandhi in India should not be seen as separate entities. This jugalbandi between Musk and Rahul speaks volumes. It also makes clear that the Congress party, which spews venom against domestic entrepreneurs, has no qualms about rolling out the red carpet for a foreign and ill-tempered businessman like Musk, who has no sense of common etiquette and decorum and who doesn't hesitate to call Mukesh Ambani India's "real boss," the Prime Minister. Rahul should take a cue from Kamal Haasan, who, holding a mirror to Musk, clarified that "India is a democratic country, not a colony. The world is welcome here, but only the people of India will decide our future, not Western interests, their double standards, or any domestic or foreign billionaire." Amidst all this, how can anyone ignore the cockroach Janata Party (CJP), a product of or believed to be abetted by the American Deep State? India's unprecedented growth under the Modi government is unbearable for the American Deep State, and it appears to be plotting to overthrow the democratically elected government in India through its pawn, the CJP, just as it did in Bangladesh and Nepal. In this scenario, a staunch anti-Modi advocate also emerges, declaring that the only way to overthrow the Modi government is through "revolution." It is crystal clear in their minds that they cannot defeat Modi through democratic means. They have no hesitation in saying that this will lead to massive "bloodshed," but they see no other option. Overall, a toxic alliance is emerging in the country. On one side is the American Deep State, which has deployed its pawns directly into India. On the other side is Elon Musk, who threatens to stage coups in countries that refuse to comply with his arbitrary terms. On the third side is a desperate Rahul Gandhi, who considers the prime minister's position.

मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के तहत मंडल के 316 मेधावी विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित फिजिक्स वाला संस्थान से मिलेगी निःशुल्क कोचिंग

21 अक्टूबर को पंचायत भवन सभागार , मुरादाबाद में होगा शुभारंभ

आर्थिक एवं सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए मिलेगा बेहतर मार्गदर्शन मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के अंतर्गत आर्थिक एवं सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों के मेधावी विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में मंडल स्तर पर एक अभिनव पहल की गई है। मंडलायुक्त श्रीमती संगीता सिंह के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से प्रतिष्ठित फिजिक्स वाला कोचिंग संस्थान के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) किया गया है।

जिलाधिकारी श्री अनुनय झा ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना माननीय मुख्यमंत्री जी की महत्वाकांक्षी योजना है। इसका उद्देश्य आर्थिक एवं सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी

के लिए गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन एवं आवश्यक शैक्षणिक सहयोग उपलब्ध कराना है, ताकि वे अपनी प्रतिभा और क्षमता के बल पर निर्धारित लक्ष्य हासिल कर सकें तथा अपने भविष्य को उज्ज्वल बना सकें। उन्होंने बताया कि मंडलायुक्त के निर्देशन में की गई इस पहल के तहत मुरादाबाद मंडल के 316 विद्यार्थियों को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (पीसीएस), यूपीपीएटी तथा उत्तर प्रदेश उपनिरीक्षक (यूपीएसआई) सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराई जाएगी। इसमें जनपदवार विद्यार्थियों में मुरादाबाद के 71, बिजनौर के 31, अमरोहा के 40, रामपुर के 82 तथा संभल के 92 विद्यार्थी शामिल हैं। जिलाधिकारी ने बताया कि इस अभिनव पहल का शुभारंभ 21 अक्टूबर 2026 को पंचायत भवन सभागार, मुरादाबाद में किया जाएगा। इस पहल से प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को

निर्वाचन लड़ने वाले उम्मीदवारों द्वारा निर्वाचन प्रचार के दौरान जुलूस, जनसभा एवं रोड शो आदि आयोजित करने की अनुमति प्रदान करने के लिए संबंधित क्षेत्रों के अधिकारियों को अधिकृत किया गया है। इसके अंतर्गत नगर निगम मुरादाबाद के अंतर्गत आने वाले समस्त शहरी क्षेत्र के लिए नगर मजिस्ट्रेट, मुरादाबाद को अधिकृत किया गया है। तहसील कांठ के संपूर्ण क्षेत्र के लिए उपजिलाधिकारी कांठ, तहसील बिलारी के संपूर्ण क्षेत्र के लिए उपजिलाधिकारी बिलारी, तहसील मुरादाबाद के ग्रामीण क्षेत्र के लिए उपजिलाधिकारी मुरादाबाद तथा तहसील ठाकुरद्वारा के संपूर्ण क्षेत्र के लिए उपजिलाधिकारी ठाकुरद्वारा को अधिकृत किया गया है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि अधिकृत अधिकारी निर्वाचन लड़ने वाले उम्मीदवारों को नियमानुसार जुलूस, जनसभा, रोड शो आदि की अनुमति प्रदान करेंगे। साथ ही,

संक्षिप्त समाचार

शिक्षक में होती है असीम ताकत...

मुरादाबाद पहुंचे डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने बताया समाज को दिशा देने का गुरुमंत्र

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने मुरादाबाद में शिक्षक एमएलसी चुनाव के समर्थन में आयोजित सम्मेलन में कहा कि शिक्षक समाज को दिशा देने वाले सबसे बड़े शक्ति केंद्र हैं। बरेली-मुरादाबाद शिक्षक एमएलसी चुनाव में भाजपा प्रत्याशी डा. हरि सिंह ढिल्लों के समर्थन में कार्यकर्ता सम्मेलन शिक्षक केवल विद्यार्थियों को पढ़ाने का काम नहीं करता, बल्कि समाज और देश को दिशा तय करने में भी अहम भूमिका निभाता है। भारत की विरासत शिक्षकों के बल पर टिकी है। शिक्षक हमेशा देने का काम करता है और अपने विद्यार्थी को आगे बढ़ते देखकर सबसे अधिक खुश होता है। यह बात उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने शनिवार को सिविल लाइंस स्थित पंचायत भवन में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में कही। बरेली-मुरादाबाद शिक्षक खंड निर्वाचन क्षेत्र से विधान परिषद चुनाव में भाजपा प्रत्याशी डॉ. हरि सिंह ढिल्लों के समर्थन में आयोजित सम्मेलन को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने शिक्षकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि शिक्षक में असीम ताकत होती है। दुनिया को बचाने और समाज को सही दिशा देने का काम शिक्षकों ने किया है। शिक्षक का योगदान केवल कक्षा तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसके विचार और संस्कार विद्यार्थियों के माध्यम से पूरे समाज तक पहुंचते हैं। सम्मेलन में कैबिनेट मंत्री चौधरी भूपेन्द्र सिंह और माध्यमिक शिक्षा मंत्री स्वतंत्र प्रभार गुलाब देवी समेत भाजपा के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य सतपाल सिंह सैनी, प्रदेश मंत्री व महानगर प्रभारी प्रमोद जांगड़ा, जिला प्रभारी डॉ. विकास अग्रवाल, महानगर अध्यक्ष गिरीश भंडूला और जिलाध्यक्ष आकाश पाल भी शामिल हुए। इसके अलावा एमएलसी डॉ. जयपाल सिंह व्यस्त, गोपाल अंजान, कुंवर महाराज सिंह, नगर विधायक रितेश गुप्ता, रामपुर विधायक आकाश सक्सेना, विधायक ओम कुमार, महेंद्र खड्गवंशी और राजबाला सिंह सहित मुरादाबाद मंडल के विभिन्न जिलों के भाजपा पदाधिकारी व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. शेफाली सिंह समेत पार्टी के अन्य पदाधिकारियों ने भी सम्मेलन में भाग लिया।

मुरादाबाद-बरेली हाईवे को छह लेन बनाने की योजना को NHAI की मंजूरी, जमीन अधिग्रहण का रास्ता साफ

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने मुरादाबाद से बरेली तक 121 किलोमीटर लंबे हाईवे को छह लेन बनाने की योजना को मंजूरी दे दी है। मुरादाबाद-बरेली हाईवे को छह लेन बनाने की मंजूरी। 6,400 करोड़ रुपये की लागत से 121 किमी चौड़ीकरण। भूमि अधिग्रहण और निर्माण कार्य जल्द होगा शुरू। दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर मुरादाबाद से बरेली तक का सफर अब आने वाले समय में और सुगम होने की उम्मीद है। करीब 6,400 करोड़ रुपये की लागत से 121 किलोमीटर लंबे इस हिस्से को छह लेन बनाने की दिशा में अहम कदम उठाया गया है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने हाईवे के एलाइनमेंट को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही जमीन अधिग्रहण और निर्माण की अगली प्रक्रिया शुरू होने का रास्ता साफ हो गया है। मुरादाबाद से बरेली के बीच हाईवे का होगा चौड़ीकरण-वर्तमान में मुरादाबाद से बरेली के बीच हाईवे फोरलेन है। इसे छह लेन बनाने के लिए दो अतिरिक्त लेन का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा हाईवे के दोनों तरफ दो-दो लेन के सर्विस रोड भी बनाए जाएंगे। इससे स्थानीय यातायात और लंबी दूरी के वाहनों को अलग-अलग चलाने में मदद मिलेगी। परियोजना में हाईवे के दोनों तरफ 242 किलोमीटर सर्विस रोड का निर्माण प्रस्तावित है। छहलेन हाईवे बनने के बाद मुख्य मार्ग पर दोपहिया वाहनों के संचालन पर पाबंदी लगाने की योजना है। ऐसे वाहन केवल सर्विस रोड पर चल सकेंगे। इसके अलावा हाईवे पर पांच किलोमीटर से पहले ढाबा या पेट्रोल पंप नहीं खोलने का प्रविधान प्रस्तावित है। जल्द ही भूमि अधिग्रहण की कार्यवाई- एनएचएआई की मुरादाबाद शाखा के परियोजना निदेशक अरविंद कुमार ने बताया कि मुरादाबाद से बरेली के बीच हाईवे को छह लेन बनाने के एलाइनमेंट को स्वीकृति मिल गई है। इसके लिए जमीन का अधिग्रहण भी किया जाना है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

इयँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है



जननी सुरक्षा योजना, फैमिली आईडी, पोषण ट्रेकर, टूल किट योजना, विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना सहित उद्यान, ऊर्जा, स्वास्थ्य, दिव्यांगजन सशक्तीकरण, पशुधन एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण समेत विभिन्न विभागों की योजनाओं सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना,

की। उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम), जननी सुरक्षा योजना, फैमिली आईडी तथा विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति में अपेक्षित सुधार लाने पर विशेष जोर दिया। इसके लिए जिलाधिकारी ने आगामी

निर्माण कार्यों की बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने सभी कार्यवाई संस्थाओं एवं विभागों को निर्देशित करते हुए कहा कि ऐसे निर्माण कार्य जिनकी प्रगति धीमी है और निर्धारित समय सीमा में पूर्ण नहीं हो रहे हैं उनकी समय सीमा बढ़ाने के लिए शासन स्तर से स्वीकृति प्राप्त करें साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि जो कार्य अंतिम चरण में हैं उन्हें यथाशीघ्र पूर्ण किया जाए ताकि जनपद की रैंकिंग में सुधार के साथ-साथ उन निर्माण कार्यों को जनोपयोगी बनाया जा सके। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुश्री मृणाली अविनाश जोशी ने जनपद के ऐसे परिषदीय विद्यालयों की सूची जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, जहां अभी तक विद्यार्थियों के लिए फर्नीचर की

व्यवस्था नहीं है। इसका उद्देश्य संबंधित विद्यालयों में आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में प्रभावी कार्यवाई करना है। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं में प्रगति सुनिश्चित करते हुए विकास कार्यों को गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण किया जाए, ताकि जनपद में विकास योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक प्रभावी रूप से पहुंच सके। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कुलदीप सिंह, अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी श्री कुलदीप संत, जिला विकास अधिकारी श्री श्वेतांग पांडे और डीसी एनआरएलएम श्री आरपी भगत के साथ-साथ विकास एवं निर्माण विभाग से संबंधित अन्य अधिकारी गण मौजूद रहे।

अमरोहा पटाखा फैक्ट्री में बड़ा खेल! अपनी ही फर्म को माल बेचकर 50 लाख की टैक्स चोरी, 22 लाख जमा

अमरोहा की एक पटाखा फर्म में राज्य कर विभाग की जांच में 50 लाख रुपये की टैक्स चोरी का खुलासा हुआ है। फर्म ने अपनी ही हापुड़ स्थित फर्म को माल बेचकर और स्टॉक में अंतर दिखाकर कर अपवंचन किया। हापुड़ की अपनी ही फर्म को अधिकांश बिक्री दिखाकर कर अपवंचन का आरोप-कुंदरकी की पटाखा फैक्ट्री में भी राज्यकर की टीम ने देर रात तक जांच की। त्योहारों पर आतिशबाजी की बढ़ती मांग के बीच पटाखों के कारोबार में टैक्स चोरी का मामला सामने आया है। राज्य कर विभाग की प्रवर्तन इकाई ने अमरोहा के धनौरा स्थित आतिशबाजी बनाने और बेचने वाली पंजीकृत फर्म की



फैक्ट्री में भी जांच शुरू की गई है। जोर देर रात तक जारी रही। दरअसल, राज्यकर विभाग की प्रवर्तन इकाई की टीम में उपायुक्त राज्य कर उत्तम कुमार तिवारी, अखिलेश कुमार, सहायक आयुक्त संजय सरोज, अकबर हुसैन और राज्यकर अधिकारी धीरज कुमार ने 15

एक साझेदार की हापुड़ में आतिशबाजी कारोबार के लिए दूसरी फर्म पंजीकृत है। आरोप है कि धनौरा की फर्म अपनी अधिकांश बिक्री इसी दूसरी फर्म को दिखा रही थी। इस तरह दोनों फर्मों के बीच होने वाले कारोबार की जांच के साथ वास्तविक बिक्री और घोषित कारोबार के अंतर को भी खंगाला गया। भौतिक सत्यापन के दौरान मौके पर मिला स्टॉक लेखा पुस्तकों में घोषित स्टॉक से कम मिला। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, माल के वास्तविक मूल्य के मुकाबले कम मूल्य के बिल जारी कर वास्तविक कारोबार छिपाने और टैक्स देनदारी कम दिखाने का मामला भी सामने आया। जांच के दौरान लेखों से बाहर

की बिक्री से संबंधित कुछ पर्चियां मिलीं, जिन्हें सत्यापन के अभाव में जब्त कर लिया। इन पर्चियों और स्टॉक के अंतर के आधार पर प्रथम दृष्टया करीब 50 लाख रुपये की टैक्स चोरी का आकलन हुआ। विभाग अब संबंधित अभिलेखों और कारोबार के विवरण के आधार पर कार्यवाई करेगा। त्योहारों के दौरान आतिशबाजी के कारोबार में कर अपवंचन रोकने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। धनौरा की फर्म की जांच में अनियमितताएं मिली हैं। फर्म की ओर से 22 लाख रुपये राजकीय कोष में जमा कराए हैं। कुंदरकी की पटाखा फैक्ट्री में जांच हो रही है। -आरए सेठ, अपर आयुक्त ग्रेड-2 (विशेष अनुसंधान शाखा)

हर पात्र नागरिक का नाम वोटर लिस्ट में होना जरूरी – डीएम

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली ।आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर वोटर लिस्ट पुनरीक्षण को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह एक्शन मोड में है। शनिवार को जनपद के सभी पोलिंग बूथों पर विशेष अभियान चलाया गया। इसी दौरान जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने बरेली कैंट, बिथरी चैनपुर और फरीदपुर विधानसभा क्षेत्रों के कई मतदेय स्थलों का औचक स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की नब्ज टटोली। निरीक्षण के दौरान डीएम ने बीएलओ को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि कोई भी पात्र नागरिक वोट बनने से छूटना नहीं चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए-पारदर्शिता और सक्रियता-बीएलओ फील्ड में पूरी



पारदर्शिता के साथ काम करें और फार्म भरने में लोगों का पूरा सहयोग करें। बूथों पर बेहतर सुविधाएं मतदेय स्थलों पर स्वच्छता, बिजली और सुगम आवागमन की मुकम्मल व्यवस्था रखी जाए ताकि मतदाताओं को कोई परेशानी न हो। 24 अक्टूबर को

फिर मौका डीएम ने आम जनता से अपील करते हुए बताया कि जनपद के सभी पोलिंग बूथों पर 24 अक्टूबर (शनिवार) को भी विशेष अभियान चलेगा। छूटे हुए व नए पात्र नागरिक समय से अपने नजदीकी बूथ पर पहुंचकर वोटर लिस्ट में अपना नाम अवश्य दर्ज कराएं।

रोजगार मेले में युवाओं की चमकी किस्मत : 27 दिग्गज कंपनियों ने 362 अभ्यर्थियों को थमाए जॉब ऑफर

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय और त्रिलोक चंद महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को फतेहगंज पश्चिमी में एक दिवसीय वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया गया। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित इस मेले का शुभारंभ मुख्य अतिथि मीरगंज विधायक डॉ. डीसी वर्मा एवं गणमान्य अतिथियों ने फीता काटकर किया। मेले में एक्सिस बैंक, टाटा मोटर्स, डी-मार्ट, एमआरएफ टायर और फिलपकार्ट जैसी 27 प्रतिष्ठित टेक्निकल व नॉन-टेक्निकल कंपनियों के एचआर प्रतिनिधियों ने भाग लिया।



रोजगार की तलाश में कुल 1217 अभ्यर्थियों ने अपना पंजीकरण कराया, जिनमें से कड़ी चयन प्रक्रिया के बाद 362 युवाओं का विभिन्न पदों पर चयन हुआ। डॉ. डीसी वर्मा ने 11 चयनित अभ्यर्थियों को मंच से प्रतीकात्मक रूप से नियुक्ति पत्र सौंपे और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने

युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि करियर निर्माण में हर जॉब अहम भूमिका निभाती है, इसलिए चयनित अभ्यर्थी समय पर कार्यभार ग्रहण करें। जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार आगे भी विधानसभा स्तर पर ऐसे रोजगार मेलों का आयोजन जारी रहेगा।

कागजों पर नहीं, धरातल पर हो जनसमस्याओं का समाधान; फरियादी से फोन पर पूछें संतुष्टि – डी एम

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली- तहसील फरीदपुर सभागार में शनिवार को जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। डीएम ने फरियादियों की समस्याएं सुनकर अधिकारियों को दो-टूक निर्देश दिए कि शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित हो। उन्होंने कहा कि निस्तारण के बाद अधिकारी फरियादी से फोन पर बात कर उनकी संतुष्टि भी जांचें। साथ ही जनता से संवेदनशीलता और बेहतर व्यवहार बरतने की हिदायत दी। इस दौरान राजस्व, सड़क, पेंशन



और अवैध कब्जे से जुड़ी कई शिकायतें आईं। ग्राम गिरधरपुर में ग्राम समाज की जमीन और ग्राम चकरपुर के किसान की कृषि भूमि पर दबंगों के कब्जे के मामलों पर डीएम ने एसडीएम व चकबंदी टीम को मौके पर जाकर तुरंत कड़ी कार्रवाई करने

के आदेश दिए। मौके पर एसपी (साउथ) अंशिका वर्मा, सीएमओ डॉ. विश्राम सिंह, एसडीएम फरीदपुर विदुषी सिंह, पीडी डीआरडीए चंद्र प्रकाश श्रीवास्तव और सीओ संदीप सिंह सहित कई प्रमुख अधिकारी मौजूद रहे।

काली माता मंदिर मेले में कानून-व्यवस्था एवं यातायात नियंत्रण में मुस्तैद उपनिरीक्षक यमराज चौधरी

क्यूँ न लिखूँ सच / सिकंदर रज़ा / मुरादाबाद। काली माता मंदिर में आयोजित मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, कानून-व्यवस्था बनाए रखने एवं यातायात व्यवस्था को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए मुरादाबाद पुलिस पूरी मुस्तैदी के साथ अपनी जिम्मेदारी निभा रही है। मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा एवं यातायात नियंत्रण के लिए पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है।



इसी क्रम में उपनिरीक्षक यमराज चौधरी काली माता मंदिर मेले

में कानून-व्यवस्था एवं यातायात नियंत्रण की जिम्मेदारी

एस.के. पब्लिक स्कूल, बरहैनी में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया दशहरा

क्यूँ न लिखूँ सच / मञ्जोला / बरहैनी। एस.के. पब्लिक स्कूल, बरहैनी में दशहरे के पावन पर्व के उपलक्ष्य में विशेष गतिविधि का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने दशहरे से संबंधित सुंदर एवं आकर्षक चित्र बनाए। इसके साथ ही बच्चों ने भगवान श्रीराम और रावण से संबंधित एक लघु नाटिका प्रस्तुत की, जिसके माध्यम से बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया गया। विद्यार्थियों ने अपनी कला और अभिनय के माध्यम से दशहरे के धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व को प्रभावशाली ढंग से



प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन मिस माहेनिगार ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए त्योहार के महत्व और उससे मिलने वाली नैतिक शिक्षाओं पर प्रकाश डाला। विद्यालय के शिक्षकों ने बच्चों के प्रयासों की सराहना की और उन्हें सत्य, सदाचार तथा नैतिक मूल्यों के

मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। इस गतिविधि का उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान, रचनात्मकता और आत्मविश्वास को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को यह प्रेरणादायक संदेश दिया गया कि सदैव सत्य की जीत होती है और बुराई पर अच्छाई की विजय निश्चित है।

बिथरी में धर्मेन्द्र कश्यप की बेटी से मुकाबले के लिए क्या , पप्पू भरतौल ही हैं भाजपा का मजबूत विकल्प

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। बिथरी चैनपुर विधानसभा सीट पर 2027 के चुनाव की आहट के साथ भाजपा के भीतर उम्मीदवार बदलने की चर्चा तेज होने लगी है। मौजूदा विधायक डॉ. राघवेंद्र शर्मा के सामने अब पिछली बार जैसी परिस्थितियां नहीं हैं। समाजवादी पार्टी में पूर्व सांसद धर्मेन्द्र कश्यप की बढ़ती सक्रियता और उनकी बेटी कीर्ति कश्यप को बिथरी सीट का प्रभारी बनाए जाने से मुकाबले के समीकरण बदलते नजर आ रहे हैं। ऐसे में भाजपा के सामने सवाल है कि क्या वह राघवेंद्र शर्मा पर फिर दांव लगाएगी या पूर्व विधायक राजेश कुमार मिश्रा

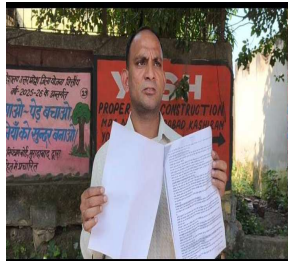


उर्फ पप्पू भरतौल को मैदान में उतारकर मुकाबले को नई धार देगी?बिथरी की सियासत को करीब से जानने वाले लोगों के बीच पप्पू भरतौल का नाम एक बार फिर गूँजेन लगा है। इसकी वजह केवल उनका पुराना विधायक होना नहीं, बल्कि उनकी दबंग छवि, कार्यकर्ताओं

के बीच पकड़ और क्षेत्र में बनी राजनीतिक पहचान है। उनके समर्थकों का मानना है कि धर्मेन्द्र कश्यप जैसे दबंग छवि वाले नेता की राजनीतिक चुनौती का मुकाबला करने के लिए भाजपा को भी पप्पू भरतौल जैसे मजबूत और आक्रामक तेवर वाले चेहरे की जरूरत होगी।

मुरादाबाद में 50 करोड़ की सरकारी जमीन का मामला, गाटा संख्या 917 की निष्पक्ष जांच की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच / सिकंदर रज़ा / मुरादाबाद जिले के ग्राम हरथला ऐतमाली में करीब 29 बीघा जमीन को लेकर विवाद सामने आया है। शिकायतकर्ता मोहम्मद फहीम ने जमीन की कीमत लगभग 50 करोड़ रुपये बताते हुए गाटा संख्या 917, जिसका पुराना गाटा संख्या 327/1 बताया गया है, के स्वामित्व और राजस्व अभिलेखों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। शिकायतकर्ता का दावा है कि संबंधित भूमि सरकारी है और इसके संबंध में कथित तौर पर फर्जी दस्तावेज तैयार किए जाने तथा अवैध कब्जे की आशंका है। मामले को लेकर शिकायतकर्ता ने तहसील दिवस में प्रार्थना पत्र देकर राजस्व



विभाग से पुराने और वर्तमान अभिलेखों का मिलान कराने की मांग की है। शिकायत में भूमि की श्रेणी 6/4 से जुड़े रिकॉर्ड, खतौनी, कथित एग्रीमेंट और जमीन की वास्तविक स्थिति की जांच कराने का अनुरोध किया गया है। कई लोगों की भूमिका की जांच की मांग शिकायत में गोपाल सिंह बिष्ट पुत्र आन सिंह बिष्ट, निवासी मानपुर रोड, काशीपुर; मदन जोशी पुत्र टीका राम जोशी, निवासी मानपुर रोड, काशीपुर; विवेक कुमार पुत्र विजय कुमार, निवासी चंदन नगर, मुरादाबाद; मोहम्मद आलम पुत्र हिदायत उल्ला, निवासी असालतपुरा; राहुल कुमार पुत्र जी राज सिंह, निवासी डबल फाटक सहित अन्य लोगों की भूमिका की जांच कराने की मांग की गई है। शिकायतकर्ता ने संबंधित व्यक्तियों के नाम सामने रखते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक तथ्यों को उजागर करने का आग्रह किया है। हालांकि, इन व्यक्तियों के खिलाफ लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना अभी बाकी है। राजस्व अभिलेखों की जांच से सामने आएगी वास्तविक स्थिति शिकायतकर्ता की मांग है कि राजस्व विभाग की टीम मौके

का निरीक्षण करे और भूमि की श्रेणी, स्वामित्व, गाटा संख्या, खतौनी तथा संबंधित दस्तावेजों की वैधता की जांच करे। साथ ही, पुराने और वर्तमान राजस्व रिकॉर्ड का मिलान कर यह स्पष्ट किया जाए कि जमीन सरकारी है या निजी और यदि कब्जे से जुड़ी कोई अनियमितता है, तो उसकी वास्तविक स्थिति क्या है। शिकायतकर्ता का कहना है कि इस मामले में पहले भी अधिकारियों को प्रार्थना पत्र दिए जा चुके हैं, लेकिन उन्हें अब तक अपेक्षित कार्रवाई की जानकारी नहीं मिली है। उन्होंने प्रशासन से पारदर्शी जांच कराने और यदि किसी तरह की अनियमितता, जालसाजी या अवैध कब्जा साबित होता है, तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। अब प्रशासनिक जांच पर निगाहें करीब 50 करोड़ रुपये की अनुमानित कीमत वाली इस जमीन को लेकर शिकायत के बाद अब राजस्व अभिलेखों की जांच और प्रशासनिक कार्रवाई महत्वपूर्ण मानी जा रही है। हालांकि, भूमि के सरकारी होने, दस्तावेजों में फर्जीवाड़े और अवैध कब्जे से संबंधित आरोपों की पुष्टि अभी नहीं हुई है। मामले में संबंधित अधिकारियों की जांच रिपोर्ट और आधिकारिक पक्ष सामने आने के बाद ही जमीन के स्वामित्व और पूरे प्रकरण की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए – 9027776991

संक्षिप्त समाचार

शिक्षक खंड चुनाव के चलते 23 अक्टूबर को शराब व भांग की सभी दुकानें रहेंगी बंद

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। विधान परिषद के शिक्षक खंड द्विवार्षिक निर्वाचन-2026 के मतदान के शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने कड़ा रख अपनाया है। जिला मजिस्ट्रेट अविनाश सिंह ने आदेश जारी करते हुए मतदान दिवस यानी 23 अक्टूबर 2026 को जनपद में शुष्क दिवस (ड्राई डे) घोषित किया है। डीएम के आदेशानुसार, जिले की समस्त देशी शराब, कंपोजिट शॉप, मॉडल शॉप, भांग की दुकानें, बार, थोक अनुज्ञापन और सैन्य/अर्द्धसैनिक कैंटीनों में मदिरा व मादक पदार्थों की बिक्री, आपूर्ति और उपभोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। इस बंदी के एवज में अनुज्ञापियों को कोई प्रतिफल नहीं मिलेगा। आदेश का उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

BSNL के मुख्य भवन में चोरी करते पकड़ा गया आरोपी

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। बरेली के बहेड़ी थाना क्षेत्र में



बीएसएनएल के मुख्य भवन से सरकारी उपकरण चोरी करने का मामला सामने आया है। बाईपास रोड स्थित बीएसएनएल कार्यालय में चोरी के दौरान एक व्यक्ति को रंगे हाथ पकड़ लिया गया। आरोपी के कब्जे से बैटरी, चेंजओवर स्विच, इलेक्ट्रॉनिक कार्ड और ताला व शटर तोड़ने में इस्तेमाल होने वाले औजार बरामद हुए हैं। बीएसएनएल अधिकारियों ने आरोपी को चोरी के सामान सहित पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। बीएसएनएल कर्मचारियों ने चोरी के सामान के साथ पकड़ा-जानकारी के अनुसार, शुक्रवार 16 अक्टूबर को बहेड़ी के बाईपास रोड स्थित बीएसएनएल मुख्य भवन में चोरी का मामला सामने आया। बीएसएनएल के उपमंडलीय अभियंता सौरभ कुमार पुत्र स्वर्गीय रामप्रसाद, निवासी इंद्रानगर, बरेली ने पुलिस को बताया कि आरोपी को सरकारी संपत्ति चोरी कर ले जाते समय पकड़ लिया गया। इस दौरान उनके साथ बीएसएनएल के ऑपरेटर जितेंद्र कुमार और विक्री भी मौजूद थे। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान बहेड़ी कस्बे के मोहम्मदपुर निवासी 42 वर्षीय तोफ़ीक पुत्र रईस अहमद के रूप में हुई।

फर्जी फर्म से 3.06 करोड़ की GST चोरी, शातिर गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। कागजों पर फर्जी फर्म बनाकर करोड़ों रुपये की बोगस आईटीसी (ITC) पास ऑन करने और टैक्स चोरी करने के मामले में



एसआईटी (जीएसटी) व पुलिस ने सचिन कुमार (25) को गिरफ्तार कर लिया है। जांच में सामने आया कि आरोपी ने मैसर्स जागेश्वर ट्रेडर्स के नाम से अस्तित्वहीन फर्म दिखाकर करीब 3.06 करोड़ की जीएसटी चोरी की थी। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि नुमाइश में झूले पर टिकट काटने के दौरान उसकी मुलाकात मास्टरमाईंड प्रशांत गुप्ता से हुई थी, जिसने कमीशन और रुपयों का लालच देकर दस्तावेज लिए और बोगस फर्म खोल दी। पुलिस ने आरोपी को नैनीताल रोड से गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

नटेरन में विधायक सूर्य प्रकाश मीणा ने किसानों को वितरित किए बीज मिनी किट

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि यशपाल रघुवंशी भी रहे मौजूद, कार्यालय वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, विकासखंड नटेरन द्वारा अनुविभागीय कार्यालय परिसर में उन्नत बीज मिनी किट वितरण, कृषक संवाद एवं नरवाई प्रबंधन जागरूकता कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम शमशाबाद विधानसभा क्षेत्र के विधायक सूर्यप्रकाश मीणा के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ- मुख्य अतिथि विधायक मीणा द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया।

सहायक संचालक कृषि एस कौरव एवं कृषि विस्तार अधिकारी जगदीश गुर्जर द्वारा कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियों जनप्रतिनिधियों एवं वरिष्ठ अधिकारियों का पुष्प मालाओं से स्वागत किया गया। उन्नत बीजों का हुआ वितरण- कृषक संवाद को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय विधायक सूर्यप्रकाश मीणा ने अपने स्वयं के खेती के अनुभवों को साझा किया।



उन्होंने किसानों से कृषि विभाग द्वारा इस रबी वर्ष में उपलब्ध कराए जा रहे गेहूँ, चना, सरसों एवं मसूर की उन्नत किस्मों के बीजों का प्रयोग करने की अपील की, जिससे खेती को लाभ का व्यवसाय बनाया जा सके। विधायक सूर्यप्रकाश मीणा द्वारा

विकासखंड के अनुसूचित जाति (SC) एवं अनुसूचित जनजाति (ST) वर्ग के पात्र कृषकों को एमपीकिसान पोर्टल पंजीयन के माध्यम से मसूर की उन्नत किस्म के बीज मिनीकिट वितरित किए गए। उन्होंने समुचित दूरी एवं उचित बीज दर के प्रयोग से

अच्छी पैदावार लेने का आग्रह किया। एवं सरकार द्वारा किसानों को कृषि विभाग के माध्यम से मिल रही योजनाओं के बारे में बताया नरवाई न जलाने की दिलाई शपथ एवं विकासखंड स्तरीय कृषिगत योजनाओं से संबंधित पुस्तक का किया विमोचन-

जागरूकता अभियान के अंतर्गत विधायक सूर्यप्रकाश मीणा ने क्षेत्र के दूर-दराज ग्रामों से आए सैकड़ों कृषकों को फसल अवशेष (नरवाई) में आग न लगाने की सामूहिक शपथ दिलाई। उन्होंने पर्यावरण और भूमि की उर्वरा शक्ति को बचाने के लिए रोटावेटर एवं स्ट्र-रीपर की सहायता से वैज्ञानिक तरीके से नरवाई प्रबंधन करने की विशेष अपील की एवं विधायक सूर्यप्रकाश मीणा द्वारा विकासखंड नटेरन के कृषि विभाग की पुस्तक का विमोचन किया गया। इस अवसर पर नटेरन जनपद पंचायत के जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि यशपाल सिंह रघुवंशी ने कृषकों से कृषि विभाग की योजनाओं में बढ़-चढ़कर भागीदारी करने की बात कही। तकनीकी प्रबंधक नरेंद्र सिंह रघुवंशी ने रबी सीजन की कार्ययोजना की विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए अल नीनो के प्रभाव को दृष्टिगत रखते हुए तकनीकी कृषि पद्धतियों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के समापन पर कृषि स्थाई समिति के अध्यक्ष कुं. गजेन्द्र सिंह राजपूत ने उपस्थित सभी

जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कृषक बंधुओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में यह रहे उपस्थित- बीज वितरण कार्यक्रम के दौरान पंजीयन सूची के अनुसार मुख्य रूप से शमशाबाद विधायक सूर्यप्रकाश मीणा, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि यशपाल सिंह रघुवंशी, कृषि स्थाई समिति अध्यक्ष कुं. गजेन्द्र सिंह राजपूत, एस डी एम अजय पाठक, जिला कार्यकारिणी सदस्य शैलेन्द्र सिंह ठाकुर तहसीलदार पीयूष जैन मंडल अध्यक्ष संग्राम सिंह, निरंजन सिंह, जनपद सदस्य अंशुज शर्मा, पूर्व मंडल अध्यक्ष सचिन तिवारी, नटेरन भाजपा मंडल पूर्व महामंत्री संजय चौकसे, जिला कार्यकारिणी सदस्य रघुवीर सिंह, जनपद सदस्य दिमान सिंह कुशवाह ,सत्यम नेमा ,शालिनी रघुवंशी, संगम रघुवंशी ,सरपंच संदीप सिंह, कमोद सिंह ,सुरेंद्र दांगी , एवं दातार सिंह ,राजकुमार राजपूत, रामबाबू यादव, माखन सिंह ,नेतराम परिहार, प्रदीप कलावत सहित कृषि विभाग के सभी अधिकारी ग्राम सेवक और बड़ी संख्या में क्षेत्र के किसान उपस्थित रहे।

हत्यारोपी श्रद्धा दुबे के लिए भारत-नेपाल सीमा पर बढ़ाई गई निगरानी, लखनऊ से गई आठ टीमें मौजूद

लखनऊ में कारोबारी शिवा शर्मा की मौत की हत्यारोपी श्रद्धा दुबे कई दिनों से नेपाल में छिपी हैं। अब उसके भारत लौटने की अटकलें लग रही हैं। कारोबारी शिवा शर्मा हत्याकांड की आरोपी श्रद्धा दुबे ओर उसके सहयोगियों की तलाश में नेपाल में सात दिन से जुटी पुलिस को अब तक सफलता नहीं मिली है। दूसरी सीमाओं के सहारे उसके भारत लौटने की आशंका को देखते हुए उत्तर प्रदेश से सटी भारत-नेपाल सीमा पर सतर्कता बढ़ा दी गई है। बहराइच के रुपईडीहा से लेकर लखीमपुर खीरी, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर और श्रावस्ती के सीमावर्ती रास्तों पर विशेष निगरानी की जा रही है। चेकपोस्ट पर श्रद्धा की तस्वीर साझा कर संदिग्धों की पहचान करने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस के मुताबिक, श्रद्धा 10 अक्टूबर को भारत-नेपाल सीमा पार कर नेपाल पहुंची थी। पहले भारत और भी नेपाल में उसके



होने की सीसीटीवी फुटेज सामने आई थी। नेपाल के चेकपोस्ट पर वह रिक्षे से अपने सहयोगी के साथ गुजरती दिखी थी। लखनऊ पुलिस की आठ टीमें उसकी तलाश में लगी हैं। इनमें तीन टीमें नेपाल में स्थानीय पुलिस के समन्वय से छानबीन

कर रही हैं। दो सर्विलांस टीमें भी उसकी लोकेशन का पता लगाने में जुटी हैं। रुपईडीहा में सीमा के पास छोड़ी गई उसकी काले रंग की एसयूवी बरामद हुई थी, लेकिन श्रद्धा का सुराग अब तक नहीं लग सका है। इन रास्तों पर निगरानी- बहराइच

में रुपईडीहा-नेपालगंज और मिर्हीपुरवा क्षेत्र के कर्तनियाघाट-मुर्तिहा इलाके के अलावा लखीमपुर खीरी में गौरीफंटा और तिकुनिया, महाराजगंज में सोनौली और टूटीबारी, सिद्धार्थनगर में बड़नी और खुनुवा, बलरामपुर में जरवा तथा

श्रावस्ती के सीमावर्ती गांवों के रास्तों से श्रद्धा के पुनः भारत में प्रवेश करने की संभावनाओं के इनपुट मिले हैं। खुफिया एजेंसियों के इस इनपुट के बाद सीमा पर सतर्कता और बढ़ा दी गई है। आशंका है कि श्रद्धा किसी दूसरे रास्ते से भारत में

दाखिल होने की कोशिश कर सकती है। नेपाल के बांके जिले में सशस्त्र पुलिस बल के अधिकारियों ने मामले को हाई प्रोफाइल बताते हुए कुछ भी बोलने से इन्कार किया। सशस्त्र पुलिस बल बांके नेपाल के पुलिस प्रवक्ता प्रतीत सिंह राठौर ने कहा कि इस संबंध में गृह मंत्रालय ही आधिकारिक जानकारी दे सकता है। लौटने पर पहचान कर पकड़ लेंगे - एसएसबी एसएसबी कमांडेंट गिरीश चंद पांडे ने बताया कि सीमा पर सघन जांच की जा रही है। श्रद्धा के सीमा पार करने के समय उसके आपराधिक मामलों के संबंध में कोई इनपुट नहीं था, जिसके चलते वह सीमा पार चली गई, लेकिन अब तस्वीर और अन्य जानकारी उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि उसके वापस लौटने पर पहचान कर उसे निश्चित रूप से पकड़ लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्य रास्तों के साथ पगडंडियों पर भी निगरानी बढ़ाई गई है।

खाद कंपनियों के ब्रांड पर नकली डीएपी का खेल, किसान सेवा केंद्र से 820 बोरियां बरामद, एक गिरफ्तार

एसटीएफ के डिप्टी एसपी प्रमेश कुमार शुक्ला के मुताबिक सूचना मिल रही थी कि प्रदेश में अलग-अलग खाद कंपनियों के नाम पर नकली खाद की खेप मंगाकर बेची जा रही है। एसटीएफ ने खाद कंपनियों के नाम पर नकली डीएपी हरदोई में छपा मारकर 820 बोरी खीरी निवासी अखिलेश कुमार को केंद्र पर उतारा जा रहा था। शुरुआती क्रांति डीएपी ब्रांड के नाम पर मंगाई के मुताबिक सूचना मिल रही थी कि खाद की खेप मंगाकर बेची जा रही 16 अक्टूबर को हरदोई के पिहानी थाना केंद्र पर नकली खाद की बड़ी खेप



ट्रेलर नंबर एचआर 46 जी 5567 को जब्त किया। इसी ट्रेलर से नकली खाद उतारी जा रही थी। उस पर ब्रांडेड खाद का प्रिंट था। कागजों में कुछ और, खेप पहुंच रही थी दूसरी जगह- जांच में खाद से संबंधित ई-वे बिल अहम कड़ी बना। एसटीएफ के मुताबिक बिल में सामग्री के कॉलम में रॉ ग्रेन्यूलस दर्ज था। साथ ही सामान को हिसार, हरियाणा से ओडिशा भेजे जाने का विवरण दिया गया था। जबकि एसटीएफ ने ये खेप हरदोई के किसान सेवा केंद्र पर बरामद हुई। अब खाद की दुलाई से जुड़े दस्तावेजों और वास्तविक खेप की जांच की जा रही है। रजनीश के कहने पर मंगाई थी खाद- एसटीएफ के मुताबिक गिरफ्तार अखिलेश कुमार ने पूछताछ में बताया कि डेलपांडरवा स्थित हरियाली किसान सेवा केंद्र का प्रोपराइटर कुलदीप सिंह है, लेकिन केंद्र का संचालन रजनीश सिंह करता है। अखिलेश ने बताया कि रजनीश सिंह के कहने पर उसने हिसार से नकली खाद मंगाई थी। इसे हिसार की मेसर्स श्री कृष्ण सुदामा एग्रो ट्रेडिंग नाम की फर्म से मंगाया गया था। हालांकि खाद की आपूर्ति, उसकी वास्तविक गुणवत्ता और दस्तावेजों में दर्ज विवरण की जांच जारी है। फर्जी बिल भी मिले-एसटीएफ ने मौके से फर्जी बिल-बाउचर, एक मोबाइल फोन, आधार कार्ड और घड़ी बरामद की है। एसटीएफ अब गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि नकली खाद कहाँ तैयार की जा रही थी और इसे किन-किन स्थानों पर बेचने की योजना थी।

खाद बेचने वाले गिरोह का खुलासा किया है। टीम ने नकली डीएपी खाद बरामद की है। मौके से लखीमपुर गिरफ्तार किया गया है। खाद को ट्रक से किसान सेवा जांच में सामने आया है कि खाद भारत डीएपी और भूमि गई थी। एसटीएफ के डिप्टी एसपी प्रमेश कुमार शुक्ला प्रदेश में अलग-अलग खाद कंपनियों के नाम पर नकली है। इस पर एसटीएफ की टीमों को सक्रिय किया गया। क्षेत्र के डेलपांडरवा गांव स्थित हरियाली किसान सेवा उतरने की जानकारी मिली। टीम ने मौके पर छापा मारकर

खाद बेचने वाले गिरोह का खुलासा किया है। टीम ने नकली डीएपी खाद बरामद की है। मौके से लखीमपुर गिरफ्तार किया गया है। खाद को ट्रक से किसान सेवा जांच में सामने आया है कि खाद भारत डीएपी और भूमि गई थी। एसटीएफ के डिप्टी एसपी प्रमेश कुमार शुक्ला प्रदेश में अलग-अलग खाद कंपनियों के नाम पर नकली है। इस पर एसटीएफ की टीमों को सक्रिय किया गया। क्षेत्र के डेलपांडरवा गांव स्थित हरियाली किसान सेवा उतरने की जानकारी मिली। टीम ने मौके पर छापा मारकर

खाद बेचने वाले गिरोह का खुलासा किया है। टीम ने नकली डीएपी खाद बरामद की है। मौके से लखीमपुर गिरफ्तार किया गया है। खाद को ट्रक से किसान सेवा जांच में सामने आया है कि खाद भारत डीएपी और भूमि गई थी। एसटीएफ के डिप्टी एसपी प्रमेश कुमार शुक्ला प्रदेश में अलग-अलग खाद कंपनियों के नाम पर नकली है। इस पर एसटीएफ की टीमों को सक्रिय किया गया। क्षेत्र के डेलपांडरवा गांव स्थित हरियाली किसान सेवा उतरने की जानकारी मिली। टीम ने मौके पर छापा मारकर

खाद बेचने वाले गिरोह का खुलासा किया है। टीम ने नकली डीएपी खाद बरामद की है। मौके से लखीमपुर गिरफ्तार किया गया है। खाद को ट्रक से किसान सेवा जांच में सामने आया है कि खाद भारत डीएपी और भूमि गई थी। एसटीएफ के डिप्टी एसपी प्रमेश कुमार शुक्ला प्रदेश में अलग-अलग खाद कंपनियों के नाम पर नकली है। इस पर एसटीएफ की टीमों को सक्रिय किया गया। क्षेत्र के डेलपांडरवा गांव स्थित हरियाली किसान सेवा उतरने की जानकारी मिली। टीम ने मौके पर छापा मारकर

संक्षिप्त समाचार

रोजगार मेले में 362 युवाओं को मिली नौकरी, विधायक ने बांटे नियुक्ति पत्र

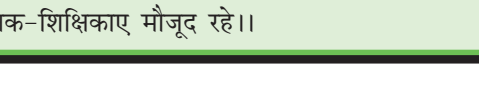
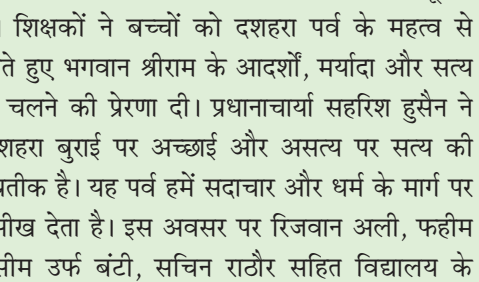
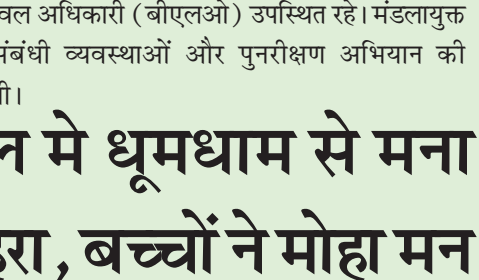
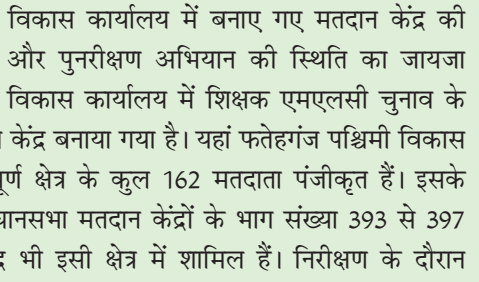
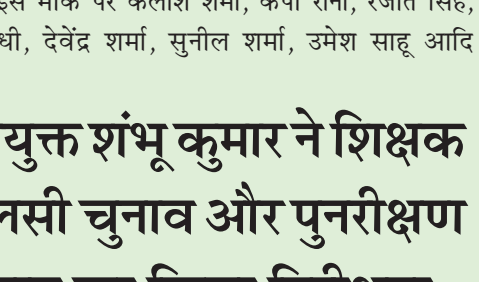
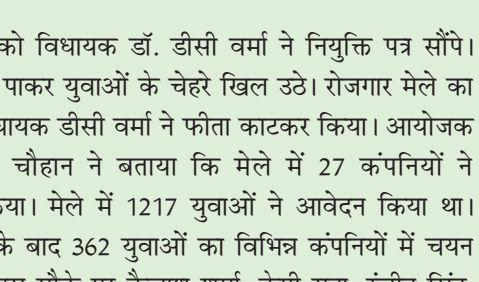
क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। सेवा संकल्प अभियान के तहत शनिवार को त्रिलोक चंद्र डिग्री कॉलेज में आयोजित रोजगार मेले में 362 बेरोजगार युवाओं को नौकरी मिली। चयनित अभ्यर्थियों को विधायक डॉ. डीसी वर्मा ने नियुक्ति पत्र सौंपे। नियुक्ति पत्र पाकर युवाओं के चेहरे खिल उठे। रोजगार मेले का शुभारंभ विधायक डीसी वर्मा ने फीता काटकर किया। आयोजक संजय सिंह चौहान ने बताया कि मेले में 27 कंपनियों ने प्रतिभाग किया। मेले में 1217 युवाओं ने आवेदन किया था। साक्षात्कार के बाद 362 युवाओं का विभिन्न कंपनियों में चयन किया गया। इस मौके पर कैलाश शर्मा, केपी राना, रंजीत सिंह, नेमचंद लोधी, देवेन्द्र शर्मा, सुनील शर्मा, उमेश साहू आदि मौजूद रहे।

मंडलायुक्त शंभू कुमार ने शिक्षक एमएलसी चुनाव और पुनरीक्षण अभियान का किया निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। बरेली मंडल के मंडलायुक्त श्री शंभू कुमार (एएसएस) न शनिवार को बरेली-मुरादाबाद खंड शिक्षक एमएलसी चुनाव एवं पुनरीक्षण अभियान का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने खंड विकास कार्यालय में बनाए गए मतदान केंद्र की व्यवस्थाओं और पुनरीक्षण अभियान की स्थिति का जायजा लिया। खंड विकास कार्यालय में शिक्षक एमएलसी चुनाव के लिए मतदान केंद्र बनाया गया है। यहां फतेहगंज पश्चिमी विकास खंड के संपूर्ण क्षेत्र के कुल 162 मतदाता पंजीकृत हैं। इसके अलावा विधानसभा मतदान केंद्रों के भाग संख्या 393 से 397 तक के केंद्र भी इसी क्षेत्र में शामिल हैं। निरीक्षण के दौरान सभी बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) उपस्थित रहे। मंडलायुक्त ने चुनाव संबंधी व्यवस्थाओं और पुनरीक्षण अभियान की जानकारी ली।

स्कूल मे धूमधाम से मना दशहरा, बच्चों ने मोहा मन

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। दशहरा पर्व पर उड़ान ग्लोबल स्कूल मे उत्साह और उमंग का माहौल रहा। विद्यालय परिसर मे रावण दहन के साथ पर्व मनाया गया। इस दौरान भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण और हनुमान के स्वरूप में सजे बच्चों ने सभी का मन मोह लिया। धार्मिक वेशभूषा में सजे विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को आकर्षक बना दिया। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिक्षकों ने बच्चों को दशहरा पर्व के महत्व से अवगत कराते हुए भगवान श्रीराम के आदर्शों, मर्यादा और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। प्रधानाचार्या सहरिश हुसैन ने कहा कि दशहरा बुराई पर अच्छाई और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है। यह पर्व हमें सदाचार और धर्म के मार्ग पर चलने की सीख देता है। इस अवसर पर रिजवान अली, फहीम अंसारी, वसीम उर्फ बंटी, सचिन राठौर सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएँ मौजूद रहे।



का मौके पर निस्तारण, र्ण निस्तारण के निर्देश

Prostate Cancer Survey: 69% of men don't know why they develop this disease, and don't even know which tests to get.

A recent survey revealed that many Indian men over the age of 45 are unaware of prostate cancer screening, risk factors, and treatment. Hesitation in discussing the issue with doctors is also a major barrier. Millions of people poses a serious threat to health globally, cervical cancer are the most common cavity, and prostate cancer are the most is one of the leading cancers in men, but a cause of concern. Health experts say can significantly reduce the risk of the serious. However, what's surprising men over the age of 45 don't even know cancer. A survey revealed that nearly 69 factor for the disease. Furthermore, most blood test used for early detection. The information. Many men hesitate to doctor and dismiss urinary problems as survey conducted by the Heal Foundation and over in India have either never been unaware of their screening status. Many don't need this test. A total of 1,036 men Karnataka, Telangana, and survey. It revealed a lack of awareness screening, and treatment options. The hesitate to discuss their prostate health with doctors. According to the survey, 68.9 percent of men could not identify a single risk factor for prostate cancer. Only 13.2 percent knew that a family history of prostate cancer can increase the risk of the disease. Nearly 75 percent of men believed that prostate cancer surveillance or screening should begin at age 50 or older. Oncologist Dr. Devvrat Arya says, "These figures demonstrate a significant lack of awareness about prostate cancer. It's clear from these data that information about prostate health should be included in men's regular health care routines."



die from this cancer annually. Cancer killing millions every year. Breast and cancers in women, while lung, oral common cancers in men. Prostate cancer the lack of awareness about it in India is that early detection of prostate cancer disease progressing and becoming more about India is that nearly six out of ten if they've ever been screened for prostate percent of men don't know a single risk men weren't even aware of the PSA problem isn't limited to a lack of discuss their prostate health with a a normal consequence of aging. A recent revealed that 84 percent of men aged 45 screened for prostate cancer or are men surveyed said they believe they from Delhi-NCR, Tamil Nadu, Maharashtra were included in this about prostate cancer risk factors, survey also revealed that many men

Bathroom Cleaning Hacks: No need to scrub for hours, use these methods to clean accumulated dirt on bathroom tiles.

If your bathroom tiles have lost their shine, here are some easy ways to clean them without much effort. Dirt and yellowness on bathroom tiles not only spoil their beauty but also make the entire bathroom look dirty. Over time, moisture, and dirt can cause bathroom Sometimes, even expensive cleaners fail a few simple household items and the restore yellowed tiles. In this article, we'll clean bathroom tiles, what ingredients to Regular cleaning and proper care can new for a long time. Vinegar and Baking money on expensive cleaners to remove bathroom tiles. Household vinegar and Vinegar helps loosen some water stains mild scrub. Using them correctly can use: Take half a cup of white vinegar in a baking soda to it. Apply the prepared it sit for about 10-15 minutes. Gently scrubber. Finally, rinse the tiles with clean careful when using vinegar on marble or substances can damage some surfaces. loosen grease, soap, and dust from first makes cleaning easier, especially in to use: Fill a bucket with warm water, but the tiles or apply it with a cloth. Let the Then, clean the tiles with a brush or scrubber. Finally, rinse with clean water and let it dry. For better results, a mild liquid cleaner can be used mixed with warm water. Lemon and washing powder or shampoo: Use lemon and washing powder to clean dirt and soap stains on bathroom tiles. The acidic properties in lemon help lighten some stains, while washing powder helps remove dirt. How to use: Take washing powder or shampoo in a bowl. Add the juice of half a lemon and a teaspoon of vinegar. Apply this mixture thoroughly to the tiles using a lemon peel or a brush. After leaving it for 10 minutes, gently scrub with a scrubber and rinse with water. Be careful not to use lemon on natural stone, such as marble. Test any mixture on a small, inconspicuous area of the tiles first, and wear gloves when cleaning. Commercial tile cleaners: To remove stubborn dirt, yellow stains, and soap scum from bathroom tiles, you can use commercially available tile cleaners. How to use: Apply a good liquid cleaner to the tiles and leave it for 1 to 2 minutes. Then, scrub thoroughly with a stiff-bristled brush or scrubber and rinse with water. Remember to wear gloves when using cleaners and ensure proper ventilation in the bathroom. Do not mix different cleaners, especially bleach with products containing acid or ammonia. Do not allow it to get on aluminum, brass, or copper fittings.



soap stains, minerals in water, tiles to appear yellow and dull. to restore their former shine. Using right cleaning techniques, you can explain the easy and effective way to use, and what mistakes to avoid. keep your bathroom tiles looking like Soda: There's no need to spend yellow stains and soap scum from baking soda can also be helpful. and dirt, while baking soda acts as a make cleaning tiles easier. How to bowl. Slowly add 2-3 teaspoons of paste to the yellow or dirty tiles. Let scrub with an old toothbrush or soft water and wipe with a dry cloth. Be natural stone tiles, as acidic Warm water: Warm water helps bathroom tiles. Using warm water areas with long-standing dirt. How not too hot or boiling. Pour it onto water work on the dirt for 5 minutes.

Benefits of Child Pose: 7 Benefits of Shishu Pose, Learn the Proper Method

Learn about the 7 potential benefits of Shishu Pose, the correct practice method, and necessary precautions. An easy way to practice Child's Pose for beginners. In today's hectic life, it's common to feel stiffness in the body due to stress, fatigue, yoga postures can help relax the body and calm the mind. Balasana in many yoga traditions, is a simple restorative is placed on the ground or a support. This pose is especially sessions. When practiced regularly and correctly, it can back, hips, and thighs. However, each individual's physical while performing the asana. Let's explore seven potential people should exercise caution. 7 Benefits of Shishusana: Shishusana and taking slow, deep breaths can help calm day. 2. Relief from back stiffness - Bending forward in this common stiffness caused by prolonged sitting. 3. Flexibility around the hips, thighs, and ankles. Regular practice can shoulders - If the arms are stretched out in front of the back. If discomfort occurs, the hands can be kept close to the body. 5. Helps in focusing on breathing - Breathing calmly in this pose allows one to concentrate on their breathing. This can help increase concentration during yoga practice. 6. Relaxation after fatigue - Shishu Pose is used to relax between yoga sessions. Sitting comfortably for a while and focusing on your breathing can help you feel at ease. 7. Increase body awareness - Paying attention to your body position and muscle stretching during this asana can help you better understand your body. Correct way to do Shishu Pose - First, kneel on a yoga mat and slowly move your hips toward your heels. Then, exhale, bend your torso forward and place your forehead on the mat or soft support. Extend your arms out in front of you or rest them comfortably on either side of your body. Keep your shoulders and neck loose and breathe at a normal pace. Initially, hold for 20 to 30 seconds and gradually increase the time as you feel comfortable. Then, using your hands for support, slowly sit back down. Take these precautions while doing Bala Pose - Do not perform this asana without consulting a specialist if you have a serious knee, ankle, or back injury. Consult a doctor or a trained yoga expert before attempting this pose during pregnancy. Support can be provided by placing a pillow under your knees or forehead. If you experience any pain, dizziness, or discomfort, immediately exit the pose. Shishu Pana is simple, but it's important to practice it to your fullest capacity. With regular yoga, a balanced routine, and proper technique, it can become a useful part of your relaxation routine.



and long hours of sitting. In such a situation, some simple Shishu Pose, also known as Child's Pose in English and pose. In this pose, the body is bent forward and the forehead useful for relaxing and focusing on breathing between yoga help reduce stress by gently stretching the muscles of the capacity is different, so straining the body should be avoided benefits of Shishusana, the correct way to do it, and which 1. Helpful in reducing stress - Sitting comfortably in the mind. This pose is useful for relaxation after a tiring pose gently stretches the back muscles. This can relieve in the hips and thighs - Shishusana provides gentle stretching help maintain mobility in these areas. 4. Relaxation of the body, a slight stretch may be felt in the shoulders and upper



Nayi Naveli X Review: How much magic did Yami Gautam's horror comedy film work? Find out the audience's reaction

The film "Nayi Naveli," starring Yami Gautam, hit theaters. Find out how audiences have reacted to it. "Jailer 2" was released yesterday, Thursday. Several other films are also releasing today, Friday. Rashmika Mandanna and Vijay Deverakonda's "Ranbali" is generating a lot of buzz. Yami Gautam's horror comedy "Nayi Naveli" is also out. How much magic did this film work with audiences? Find out how Yami's "Nayi Naveli" was received. Directed by Balaji Mohan, "Nayi Naveli" stars Yami Gautam and Adinath Kothare in a pivotal role. The trailer

of the film was well-received. Now that the film has been released, it has received mixed reactions. The film is being hailed as entertaining. However, some viewers have not particularly liked its story. What have audiences said about Yami's performance? Viewers have shared posts on social media after watching the film "Nayi Naveli." One user wrote, "This film is very entertaining. Many scenes are hilarious. The songs are also great. The performances of all the actors are superb. Yami Gautam, you are the best actress in the industry. You did a great job." The film failed in terms of visuals. Another user wrote, "This film is full of entertainment. However, its second half is very flat." Some people did not like the visuals. Another user wrote, "The use of AI animation in Indian films, especially when a character narrates a flashback or tells an old story, has completely exhausted my patience. Long-winded storylines and lame visual prompts. Technological advancements are only taking us backwards in terms of creativity."

Nusrat Bharucha: Actress returns home after successful surgery; full recovery will take time; find out what the team said

Actress Nusrat Bharucha has been discharged from the hospital and is back home. Her team has provided an update on her health. Let's find out what the actress's team has said. Famous Bollywood actress Nusrat Bharucha was recently involved in an accident in Bali. She suffered serious injuries and suffered a spinal fracture. The actress has returned home after surgery. Meanwhile, her team has provided information on her condition. What did Nusrat's team say? The actress's team stated, "After going through a difficult and challenging period following the unfortunate accident, Nusrat Bharucha's spinal surgery has been successful. We are relieved and happy to announce that her surgery was successful." She has now been discharged from the hospital. Whom did the team thank? The team further stated, "Nusrat has finally returned home, where she is beginning her recovery journey amidst the care and affection of her loved ones. It will take time to fully recover. She remains positive and is currently focused on improving her health and regaining her strength. We sincerely thank everyone for their immense love, concern, prayers, and well-wishes for Nusrat during this difficult time." Where did the accident happen? Nusrat Bharucha was involved in an accident in Bali. She suffered a spinal injury. She was initially hospitalized in Bali. She was later brought to Mumbai for treatment, where she underwent spinal surgery. During this time, the actress remained active on social media and continued sharing photos from the hospital. The actress will be seen in this film - According to reports, Nusrat will be seen sharing the screen with actor Tiger Shroff. This will be the first time the two stars will be part of a film together. Currently, not much information has been revealed about Nusrat's character in the film. According to reports, her role will not be limited to that of a traditional female co-lead, but will play a key role in the story.



Ranbali X Review: The Virosh duo shines on screen, but what was lacking in the story? Find out what the audience said after watching the film.

The film "Ranbali" has been released. Rashmika Mandanna and Vijay Deverakonda appear together on screen for the first time since their marriage. Find out how audiences have reacted to the film. Actors Vijay Deverakonda and Rashmika Mandanna's "Ranbali" is out in theaters. After watching the film, audiences are sharing their experiences on social media. Vijay and Rashmika's pairing has been well-received. However, when it comes to the film's story, the response has been mixed. Find out what audiences have said. Audiences have received mixed reviews. Audiences have appreciated the pairing of Rashmika and Vijay in "Ranbali." The dialogues are being praised. The scenes depicting British atrocities are being praised. However, some viewers have also criticized the film's pacing, excessive violence, and background score. Did you not like the second half? Some viewers found the second half of the film to be slow. One user wrote, "The first half of 'Ranbali' is okay. The second half drags quite a bit. The backdrop is set in the British era. There are some pacing issues. The background music is weak. There are many disappointing aspects. However, Vijay and Rashmika's chemistry is good." Another user wrote, "The film 'Ranbali' is not just a film, it's a complete experience. The second half is slow, but effective. The film has blockbuster vibes." What do Virosh's fans say? Fans of Vijay Deverakonda and Rashmika are liking the film. One user wrote, "Vijay's acting is strong. The emotions and storytelling are powerful."

